B.A. Degree II Economics Hons. DR. R. H. Tiwari
Paper - III Deptt of Economics.
A.M.D. College Shahpur Patory.
Date 28/1/2022

Name of Topic: भुगतान संतुलन का अर्थ एवं परिभाषाएँ एवं (Meaning and Definition of Balance of Payment)
• भुगतान संतुलन एवं व्यापार संतुलन में अन्तर

Meaning (अर्थ) – भुगतान संतुलन का अर्थ किसी देश विशेष के आयातों और निर्यातों तथा उनके मूल्य के सम्पूर्ण विवरण से होता है। इसमें बायीं ओर निर्यात और उनके मूल्य का सम्पूर्ण ब्यौरा होता है तथा दायीं ओर आयात तथा उसके मूल्य का सम्पूर्ण वर्णन होता है अतः बायीं ओर उन शीर्षकों को दिखाया जाता है जिनमें विदेशों से भुगतान प्राप्त होते हैं और दायीं ओर उन मदों को दिखलाया जाता है जिनके लिए विदेशों को भुगतान किये जाते हैं। इस प्रकार से दोनों के कुल अन्तर को भुगतान संतुलन (Balance of Payment) कहते हैं।

भुगतान संतुलन एक देश के द्वारा अन्य देशों को किये जाने वाले कुल भुगतानों एवं उन सभी देशों से होनेवाली कुल प्राप्तियों के संबंध को प्रदर्शित करता है। दूसरे शब्दों में एक देश के लोगों के अन्य सभी देशों के लोगों के साथ निर्दिष्ट अवधि में हुए सभी आर्थिक सौदों के लेखे-जोखे को भुगतान संतुलन कहते हैं। इसमें दृश्य (visible) वस्तुओं के आयात-निर्यात के अतिरिक्त अदृश्य (Invisible) मदों के आयात-निर्यात को सम्मिलित किया जाता है।

संक्षेप में, भुगतान संतुलन एक देश का दूसरे देश के साथ एक एक निश्चित अवधि में किये गये आर्थिक लेन-देन या प्राप्तियों व भुगतानों का विवरण होता है।

परिभाषाएँ (Definitions)

(1) बेनहम (Benhum) के अनुसार, "एक देश का भुगतान संतुलन एक निश्चित अवधि के भीतर उसका बाकी विश्व के निवासियों के साथ मौद्रिक सौदों का लेखा होता है"।

(2) वाल्टर क्रोस (Walter Krause) के शब्दों में, "भुगतान संतुलन

Page No.
Date

किसी देश के निवासियों एवं बाकी विश्व के निवासियों के बीच किसी विशेष समय में सामान्य रूप से एक वर्ष में सम्पूर्ण किये गये समस्त आर्थिक सौदों का एक व्यवस्थित लिपिबद्ध विवरण है।" "The Balance of Payment of a Country is a systematic record of all economic transactions completed between its residents and residents of the rest of the world during a given period of time, usaly a year."

(3) पी०टी० एल्सवर्थ (P.T. Ellsworth) के शब्दों में, "भुगतान संतुलन एक देश के निवासियों और बाकी विश्व के बीच किये गये समस्त लेन-देन का सारांश विवरण है यह किये गये समय को सम्मिलित करता है जो सामान्य रूप से एक वर्ष होता है। "This is summary statement of all the transaction between the resident of one country and the rest of the world. It covers a given period of time usaly a year." P.T. Ellsworth.

भुगतान संतुलन की विशेषताएँ :- Features of balance of Payment :- भुगतान सन्तुलन की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं,

(1) क्रमबद्ध लेखा रिकार्ड (Systematic Record) — यह एक देश का अन्य देशों के साथ किये गये आयात-निर्यातों संबंधी भुगतानों व प्राप्तियों का क्रमबद्ध लेखा होता है।

(2) निश्चित समय अवधि (Fixed period of time) यह समय की एक निश्चित अवधि प्रायः एक वर्ष का लेखा-जोखा होता है।

(3) व्यापकता (Comprehensiveness) — इसमें सभी प्रकार की दृश्य, अदृश्य एवं पूँजी अन्तरण की मदें को शामिल किया जा सकता।

(4) स्व-सन्तुलित (Self-balanced) दोहरी लेखांकन प्रणाली

लेखा दृष्टिकोण से स्वत: ही लेखे को ~~संतु~~ संतुलन में रखती है।

(5) दोहरी अंकन प्रणाली (Double Entry System) दोहरी लेखा अंकन प्रणाली के आधार पर भुगतान व प्राप्तियों का लेखा बद्ध किया जाता है।

(6) अन्तर समायोजन (Adjustment of Differences) वास्तविक ~~[illegible]~~ व्यवहारों में जब कभी कुल प्राप्तियों व भुगतानों में अन्तर हो जाता है तो इनको समायोजित करने की आवश्यकता पड़ती है।

भुगतान संतुलन एवं व्यापार संतुलन में अन्तर

Difference Between balance of Payment and Balance of trade)

व्यापार संतुलन का अर्थ - (Meaning of Balance of Payment) दो या दो से अधिक देशों के बीच निश्चित अवधि में होने वाले ~~[illegible]~~ आयात - निर्यात के अन्तर को व्यापार संतुलन कहते हैं दूसरे शब्दों में, किसी देश के कुल निर्यातों के योग में से उसी देश के कुल आयातों के योग को घटा देने के बाद जो अन्तर आता है उसे व्यापार संतुलन की संज्ञा दी जाती है। वस्तुत: यह अन्तर किसी वर्ष विशेष की स्थिति को बताता है। व्यापार संतुलन में केवल दृश्य (Visible) निर्यात और आयात मद ही शामिल किये जाते हैं। दृश्य निर्यात - आयात मदों से हमारा तात्पर्य ऐसी मदों से है जिनका बन्दरगाहों पर लेखा-जोखा रहता है।

व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन में अन्तर सारणी से स्पष्ट हो जाएगा।

~~सारणी - 1 व्यापार~~

सारणी - 1

क्र० संख्या	अन्तर का आधार	भुगतान संतुलन	व्यापार संतुलन
1	विस्तार	भुगतान संतुलन व्यापार संतुलन की तुलना में	व्यापार संतुलन कम विस्तृत शब्द है।

Page No.
Date

		अधिक विस्तृत है वस्तुतः व्यापार संतुलन भुगतान संतुलन का एक भाग है इसमें दृश्य एवं अदृश्य दोनों प्रकार की मदों को शामिल किया जाता है	
2	मदें		इसमें केवल दृश्य मदें ही शामिल की जाती है अर्थात केवल वस्तुओं के आयात-निर्यात को ही शामिल किया जाता है।
3	विश्लेषण	यह किसी देश की भुगतान स्थिति का सम्पूर्ण विश्लेषण है इसमें विदेशी विनिमय की सम्पूर्ण माँग व पूर्ति का विश्लेषण किया जाता है	यह केवल भुगतान स्थिति का आंशिक विश्लेषण ही है
4	साम्य	यह सदैव संतुलित रहता है दोहरी लेखा प्रणाली के कारण इसका खाता सदैव संतुलित रहता है	इसे साम्य में रहना आवश्यक नहीं है यह अनुकूल एवं प्रतिकूल दोनों ही हो सकता है
5	उपयोग	इसका आर्थिक विश्लेषण व निर्णयों में अधिक उपयोग होता है	इसका आर्थिक विश्लेषण के निर्णयों में कम उपयोग होता है
6	अर्थव्यवस्था का ज्ञान	भुगतान संतुलन पक्ष में होने के आधार पर सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का परिचायक है	व्यापार संतुलन पक्ष में होने पर भी आवश्यक नहीं है कि अर्थव्यवस्था सुदृढ़ ही हो
7.	विनिमय दर का निर्धारण	विनिमय दर का निर्धारण भुगतान संतुलन पर निर्भर करता है क्योंकि विदेशी मुद्रा	जब कि व्यापार संतुलन अपूर्ण ब्यौरा है। यह विनिमय

	की कुल माँग एवं कुल पूर्ति का ब्यौरा है	~~अत~~ दर को प्रभावित करता है, विनिमय दर का निर्धारण नहीं करता है।

व्यापार सन्तुलन की अपेक्षा भुगतान सन्तुलन का अधिक महत्व

Balance of payment is more significant than balance of trade

यह देखा जाता है कि व्यापार संतुलन की अपेक्षा भुगतान संतुलन का महत्व अधिक होता है। किसी देश का व्यापार संतुलन अनुकूल या प्रतिकूल हो सकता है किन्तु प्रतिकूल भुगतान संतुलन खतरे की घण्टी होती है। अनुकूल व्यापार संतुलन हमेशा देश उसकी आर्थिक उन्नति की द्योतक नहीं होता। कुछ देशों का व्यापारिक संतुलन प्रतिकूल होने पर भी वे आर्थिक दृष्टि से उन्नतशील राष्ट्र होते हैं उदाहरण के लिए द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व ब्रिटेन के भारत का व्यापार संतुलन अनुकूल हुआ। परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत एक धनी देश था। बात यह थी कि भारत, ब्रिटेन से ~~वस्तु~~ वस्तुओं के अलावा कई प्रकार की सेवाओं का आयात करता था ~~परन्तु~~ इसके विपरीत ब्रिटेन का भारत के प्रति भुगतान संतुलन बहुत ही अनुकूल था क्योंकि ब्रिटेन भारत को बैंकिंग, बीमा, जहाज संबंधी सेवाएं प्रदान करता था और सेवाओं के बदले में भारत से वस्तुएँ प्राप्त करता था। इस प्रकार भारत का व्यापार संतुलन उसके अनुकूल और भुगतान संतुलन उसके प्रतिकूल था।

अतः स्पष्ट है कि किसी देश के व्यापार संतुलन की तुलना में भुगतान संतुलन का ज्ञान अधिक महत्वपूर्ण होता है।

B.A. Degree II Economics.
Honours.
Paper – III
Lecture No – 13

Dr. R.N. Tiwari
Deptt of Economics
A.N.D. College Shahpur Patory.

Dated – 28/01/2022